

प्रेषक,

एम0सी0 उप्रेती,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,  
उद्योग निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 23 दिसम्बर, 2010

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 में काशीपुर जसपुर की रूग्ण कताई मिलों की पुर्नस्थापना एवं वी0आर0एस0 योजनान्तर्गत अवशेष धनराशि स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, उद्योग निदेशालय के पत्र संख्या:4003/उ0नि0(दो)-11/बजट-मॉग/2010-11 दिनांक 13.10.2010 तथा शासनादेश संख्या:2019/VII-II-10/114-उद्योग/2006 दिनांक 26.7.2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 में काशीपुर जसपुर की रूग्ण कताई मिलों की पुर्नस्थापना एवं वी0आर0एस0 योजना हेतु अवशेष धनराशि ₹ 30.00 लाख ( ₹ तीस लाख मात्र) व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि उक्त योजनान्तर्गत देयकों के भुगतान करने हेतु उक्त धनराशि का आहरण कर प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास निगम लि0 देहरादून को हस्तान्तरित कर दिया जाय।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिस हेतु धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित करके सिडकुल के पी0एल0ए0 खाते में रखी जायेगी, यदि सिडकुल का पी0एल0ए0 खाता नहीं खुला है तो उस स्थिति में इसे बैंक खाते में रखा जायेगा, तथा इससे अर्जित समस्त ब्याज की धनराशि वित्त विभाग के निर्देशानुसार राजकोष में जमा किया जायेगा। बैंक से धनराशि आहरण की सूचना समय-समय पर शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा।

5- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा, और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा, यदि नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।



6- स्वीकृत धनराशि का दिनांक: 31.03.2011 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा, वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत, वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के साथ-साथ उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 103-हथकरघा उद्योग, 05-काशीपुर जसपुर की रुग्ण कताई मिलों की पुर्नस्थापना एवं वी0आर0एस0 योजना-00, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0संख्या: 684/XXVII(2)/2010, दिनांक: 20 दिसम्बर 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0सी0 उप्रेती)

अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 3841/VII-II-10/114-उद्योग/2006 तद् दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक अवस्थापना विकास निगम लि0 देहरादून।
6. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
7. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(एम0सी0 उप्रेती)

अपर सचिव।